



नादिनाम

ॐ नमः शिवाय नृस्य धनं यः ॥ रुस्य बुक्ता इव गुह्यविधि विरुक्तानका
भनूष्टे गशामदिव कवाद पृथुरिय निरुर्वीर लक्ष्मी काको सभभी मर्क से भद्र
वेडान वसनि वसनि त्सा गर्ना तादेव सा हस्ता इ क द्रया के भरु कुरु गावत
पद्म नृस्य धनं यः ॥ अथिब ॥ या मा सी सा न व क वि न व या त मन सी रिया ग
त्महं ना ॥ साधिर्य स्य य सा दा वि स हि नि ऊ र्व स्वा मि ना नि ष्य प व ॥ न व
प्रत्यात्म वे समुदयति स स्वै क त्य ना ज्ञा ल मु क्त ॥ इ र्या त त्या प्रि प मी नि नः

नागभानो विंध्यस

सिद्धिनिमयं सत्गुणसर्वकारं ॥ ॐ नमो श्रीपद्मनृपयन्त्राय ॥ ॐ नमो श्रीवः
 कसम्बनाय ॥ ॥ ॐ नमो श्रीवः कसम्बनाय ॥ धर्मभक्तुर्जिन हृदयानन्दकार
 सिका ॥ कलाक ॥ जगदात्मकसाधन ॥ जाव ॥ कसलासनरूपमिबर्धुधनाक
 रंकेला ॥ कलाक ॥ सहजानन्दकारसिका ॥ जाव ॥ निखिलजिनरुपाकृतादसन्द
 या ॥ कलाक ॥ नरुहर्मरुहमात्रा ॥ लोकाजाव ॥ ॥ नमो श्रीवः निवि ॥ विष्वस
 मानुहविधुविम्वा ॥ श्रीकामविद्यायिरुसंरुवा ॥ ॥ ॐ नमो श्रीवः ॥ ॥ ॐ नमो श्रीवः ॥

निर्माणा

सकयनि पुनिगारुवडसनिर्माणावत्तमकुडुं ॥ २२ ॥ नागसेनवि
निर्माणा निवकुषाष्टिससना नूह मधुगहकादिवृत्तनादनीयस्तमितय
थरुलसिगाईगमिनीननेनीससगायमजालनादनीय ॥ २३ ॥ उनेमा
मि४६विधीवडवीनाभिनीतिरुवहनकखसमहानदवी ॥ २४ ॥ दियानपु
गिनिकामनूपथीहकसविममधुतनूसजयकि ॥ २५ ॥ वसदससना नूह
वसधर्मचक्रवा ॥ २६ ॥ दससगावक ॥ २७ ॥ पिभरदलकमसमहासखव

नागसेन

कूंकाननूपथीहनुकनाथ ॥ २८ ॥ दहतिजितविद्यानिशिरयानरुदनिध
वदसुतधावयनादनीय ॥ २९ ॥ थीथादिदभरुमिगतसुगतपुजनिजिनरुनदा
यनिविनधनी ॥ ३० ॥ दय्येनयतिविम्वुजलज्वदायमअहिनिभिसमनक
वडदवी ॥ ३१ ॥ जमजममीनु ॥ ३२ ॥ यायसनध ॥ ३३ ॥ नासनना ॥ ३४ ॥ यदा ॥ ३५ ॥
नागगधारीनवि ॥ ३६ ॥ नागदहनपथअरुनसवुय ॥ ३७ ॥ यकअमृकनसपथ ॥ ३८ ॥ निपु
का ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥

॥ वीरवीरवन्धनी सहजानन्दकसंकमलासनरुदयानन्द ॥ ॥ यक्षवृक्ष
यक्षस्कंधमनुदंशदवासननयप्रमदिरुदयानन्द ॥ ॥ उंशां हं हं हं खीसाधन
कनिकरुं मनुयधधनिविसमानन्द ॥ ॥ ॥ नागकर्षुदि ॥ खठयोगि
नी देवी कुरुवने व्यापिनी श्विष्यमालदृष्टमत्तविनाभिनी ॥ ॥ ॥ नमा
मिश्रीवैरविनाभिनी श्वमिषिसिद्धिदायनी रुगकृत्तनी ॥ ॥ पूर्वदत्तग
तनकवधुगी ॥ ॥ नयामिनी देवी नक्तवधुगी ॥ ॥ वायुवमाहिनी ॥

वीरवक्तुगिरा श्विष्यमसक्तानिनी देवी एते सवधुगी ॥ ॥ नेमससंयामि
नी देवी हनिगवक्तुगिरा श्वकिनवक्तुका देवी क्रमवधुगी ॥ ॥ वधुवृक्ष
काननयक्षपुडारुवधु ॥ ॥ स्वस्ववीजसंरवनवनसिद्धिगमना ॥ ॥ ॥ नाग
रुनवि ॥ ॥ उंशां हं हं हं हं नक्तवधुगी ॥ ॥ उवाच नमः ॥ ॥ पुष्पा पुष्पा पुष्पा पुष्पा
रावतत्तस्वरावन्पय्यानिराव ॥ ॥ ॥ स्वस्वविरदसि पुष्पा नयघघघाट
यश्च यक्षमृत्तनसपक्षसानि नययक्षानसर्वलीना ॥ ॥ सर्वयक्षनाकस

श्री
गुरु

रुतयतनयिष्ठावात्तादायस्मान् २ गकजकिनीडयिजुद्धमभनद्वैलि
गुद्धुने ॥ ॥ रातयगिसर्वकार्यत्वयासर्वसिद्धिसंयतिष्ठाकिन २ आसीता
नरथागतवचनसर्वसखसम्यक्वृद्धिने ॥ ॥ समयावकुरुदानयति
नसर्वसिद्धिसम्यक्वृद्धिष्ठाकिन २ याथेवताथेवकुरुथनयीवथमाधिक
मथने ॥ ॥ ॥ नागयथमजसि ॥ अतिसुनलजालजालवमाग्य
मनुमउतचकनाया २ वरुयजससजालसंयविरुमिभवेमउतचक

नाया ॥ ॥ ॥ उमवृकृतयियाधुनकवृद्धातिगगहनवधलयिया २ वः
रुवानाहिआतिगगसम्वलकृतयिया ॥ ॥ रुद्धिसर्वविर्नविभन्धनजुद्धिज
हिताहिताहिजुद्धमभन २ अनूहनसर्वइववृद्धाउठादवीमीसंति
यवमनसहाव ॥ ॥ विरुवनउक्तयकृतायरुनाअर्थिरुवनउक्तय
रुविर्नवीना २ अतिरुवननवनाकसंयसादिनरुतिअसउयकाका
ना ॥ ॥ अहिनासिसगुवृद्धासंउवाग्यादिगतरावरुव २ रुनः

अथ
प्रमाणं

मम नल रुय वधन न्कादि गल रुय भा नृ श्रुति य सौ ला व ॥ ३३ ॥ नाग
सति ॥ पुन रु न व थ ना व का स र्म ला व न ल नृ य वि कि रु वि वि रु क ल र्ग
२३ ॥ ३४ ॥ क का स व ज्ञा मृ त मृ द क र्क स र्म ला धि क र्क स न म न्त य ॥ ३५ ॥ व ज्ञा मृ
त न स वा वि रु स दाय क र्क स र्म ला धि न व्वा यि त मृ त रु क ल र्ग २ ज ग त म स र्म ला धि क
रु नृ क नृ मृ त रु स र्म ला न ना ध न वि न रु नृ य ॥ ३६ ॥ व रु प न मा नु म य र्ग वि रु क र्क
यु क र्क स र्म ला धि क र्क य र्क य र्क २ रु क न म रु य र्क ३ ग व रु क र्क स र्म ला यि त वि

अथ
प्रमाणं

पाक क ल र्ग ॥ ३७ ॥ घट म स रु न रु क नृ य र्क ३ ग व रु क र्क स र्म ला यि त वि
म ति टि सा धा न न इ व ता व रु क र्क स र्म ला यि त वि ॥ ३८ ॥ पा य र्क ३
व म न दान पु न रु स र्म ला य र्क ३ ग व रु क र्क स र्म ला यि त वि ॥ ३९ ॥ ना ग ग न्ध र्क ३
वि वि रु नृ य स र्म ला य र्क ३ ग व रु क र्क स र्म ला यि त वि ॥ ४० ॥ हा म हा म क न
नि ना य न व ड व रु क र्क स र्म ला य र्क ३ ग व रु क र्क स र्म ला यि त वि ॥ ४१ ॥ य रु क र्क ३
ने या रु क र्क न हि रु क र्क ३ ना ग रु क र्क ३ ना ग रु क र्क ३ ना ग रु क र्क ३ ना ग रु क र्क ३

पायवजाऽनविगणिवाययिआवार्यवयिथा॥ ॥ वामरहिणकमणनवहिया
 उ२कृतयिवजाननआरुमिदिना॥ ॥ कर्तुवात्रकअर्णनहाम२वायुसहा
 धविषयसेवाध॥ ॥ ॥ नागनाठ॥ नकवधुनितायनसुन्दवि२अष्टाद
 न२उ२यहनरुकिबला॥ ॥ ॥ उ२रुदवीवानुधिमामकिदवी२रुगकयमा
 दिनमयगसनाग॥ ॥ आगमवदयुनानवर्षाने२आगधर्मादेकागुनुडयद
 र्ग॥ ॥ यव२वृषध्वन्यक२रु२सया२रुगिनीमा२पहनु२इहनु२

सकुगनुचनधसिभगतधनिया२रुनयिवाकवजसुमासुनयि॥ ॥ ॥ नागरुन
 वा॥ नभाहं२कानुधन्यधनु२रुविसलेउताधनु॥ ॥ ॥ नाहं२नाहं२रु
 नाहं२हं२॥ ॥ इ२हा२शालिगधयागधनु२वज्रधनु२मुदाधनु॥ ॥ धवनसः
 सखुनदहधनु२सर्नदसुसाहियचन्दमनु॥ ॥ मायादहवीनऊगु२साहियक
 नुधसत्वमहं॥ ॥ ॥ नागरुगामगाम२॥ ॥ विचकनविगणिमलुसमा
 गपलीतिअनरुमुनिधवा२वज्रवा२गाह२शालिगधसत्वमनाना२भिममहा

कृता ॥ ॐ ॥ कनाकैकनाकैशनाकैकैकैकै ॥ ॥ नीलवर्णचक्रवर्ण
 मुखविनयपद्मानन्दमूर्तिधनाशविभवज्जुर्ध्वं दण्डमश्रुतधनहाज
 रप्रदासुखादिना ॥ ॥ वज्रघट्टगजचर्ममन्त्रमुखधर्मिधनाशवीर्यमानन्द
 मूर्तिधनाशकनटिकयातयनयवाग्विष्णुमावक्रोमिधनाशपञ्चमक
 टिधरिना ॥ ॥ दिगाविदिगिकाकाकादिज्जमठादिदेवीसहजानन्दमूर्ति
 धनाशनमाभिशीवकसम्बलभग्ननृचनदोशनाधिना ॥ ॐ ॥ माग

ललितपत्र

यकम ॥ कलितवज्राननविशक्तिरुक्मिदावीयडकाननादनुयाश्रुतनु
 यागविष्णुनलीनाययिसयिजिनगणिविष्णुया ॥ ॐ ॥ यनमानन्दमूर्ति
 मयधामिनाधधियशीमश्रुवज्राश्रुतश्रुतैश्वर्याधियमिशीमश्रुवज्रा ॥ ॥
 कलिकाकमलसङ्गाहसहजानन्दपवननगरीगमनिनागमिश्रयमुखवट
 ज्जन्तलमश्रुतमालीकश्रीगाननन्दहिनवाम ॥ ॥ वन्द्यमधुतायनिवज
 ययकिश्रुमात्रधननृपहतिनाशवज्रखक्रमन्दहिनकनधामिनामय

का
लोप

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ विविधनल आरुद्रप विरुषि कुरु ग्रयि शुभग मुद्राति
नृपधनि २४ गगनचक्र धोकमस्य सादानमाप्ति यत्र मानिता वद ॥ ३०६ ॥
नागनाडि ॥ का ॥ लायित थिया वासा मुनिन कनका ला २ यन कयि थिरुयि
वज्रयि ३ उ नु कीया ॐ स लाना ॥ ३१ ॥ मलयज कुरु नु वज्रयि छि छि मोका
हिन वज्रयि ॥ ॥ गहिरु नु स्वा ऊ न ग म य ना यि वज्रनया ॐ २ हा ल का ल
ऊ न य न या ॐ ३ उ नु या हिन वज्रया यि ॥ ॥ वड स म क रु नि सि ह्ना क र्णु न

सर्व
वृक्ष

लायनया ॐ २ मय ले ऊ न्वन भाति गहिरु नु खा ऊ न या ॐ ॥ ॥ पख न खट
कन क रु सा स ऊ न म ध या ॐ २ नि र्ग म ह ऊ र्ग व द्या वी यि गहिरु नु म ना य न या
ॐ ॥ ३०७ ॥ नागनावति ॥ सर्व वृक्ष वि वृक्ष म छि ना वि वृक्ष मा ल नि क द नी २ व ऊ
म छि ना व ऊ या गि नी का न ध र्म सि धि ना व नी ॥ ३१ ॥ न मा मि वा ऊ ती सि धि या गि
नी नान म छि ना २ अ ऊ मा धि सि धि या गि नी ग ध म छि ना ॥ ॥ आ दि र्म म छु सा
ऊ स म व स दी य मा ल स वि म वा २ व की क लु ल क णि ना व क म ख न वि रू षि

सि॥ **ॐ** ॥ नयायानि नानोयुनसिना किडुवधयकस्वदुयि २ सर्वविकल्पवि
 धीसनिदवी अ नरुलल्लानवनशायनी ॥ ॥ अमिताभ वमस्तु न उदयाः
 साधिकि कल्या ननामिव नृयधारी २ कनकिखर्ण नखघागिधारी यहाल्लानवन
 शायनी ॥ ॥ दगविममकुटेकधी चकी कुत्तुल कलिधारी २ नृवकमखल पाय
 लधारी गीवननमिसमाला ॥ ॥ सर्वकथागकजननी दवी विप्रहितरुक्म
 लावा २ श्रीवज्रयागिनी चै नै दौ सिल्यागकधारी गवकिरमनसं वजा ॥ **ॐ** ॥

श्री
 म
 श्री

मागकामा ॥ ॐ किडुसरुवखसमदहानवनसुधाकिंशकनकधाधना २ द्वादश
 रुजवेदवदना द्वादशवर्धननकनग ॥ **ॐ** ॥ नमामि श्री किंवकम्भर्मा नः
 रुयलवरयह नर्ध ॥ ॥ वज्रविंशतिपी १७ ध्वनं कनकिरुवी नवी नध्वनी २ व
 रुवकयदकिध २ दवी संप्रयकलिरुलिना ॥ ॥ यहासंप्रयकली कासि
 पदाकाका अगिरुदना २ द्वादशवर्धननकनग ॥ ॥ नमामि श्री वक्रसम्भवा ॥ ॥
 सकगुनृववधगिलिधना रुनयिगी कधी कलि ॥ २ दानयकि नमना हर्ष स

प्रकाश

यमभुसश्रावाधिगा ॥ ६०३ ॥ प्रागवर्द्धकान ॥ यकलिरुद्धकानावुवमुनक्ति ॥
उनीलकतसमदहाशिविष्वाकृष्टिकनर्धनत्वमकृष्टकाधधिपी ॥ ६०४ ॥
नमामिथीयवभुवीनरुवसिधुनरुर्धेश्विविष्वाताथिदुवनव्यापित्विदानीध
भनकनर्ध ॥ ॥ अनकृष्टानुस्तिरुववनवीनसर्वरुखरुदधानेश्वाम
कृष्टनिर्दिष्टपाधधनरुवानिगोसनकनर्ध ॥ ॥ नानाबलाहाननोपुनर्कलिः
मखनरुषितदह ॥ ॥ ६०५ ॥ कलासरीषमवर्द्धिदुवननायायवभुवीन ॥ ॥

विष्वा

विनाधिपीनिसर्वरुयहनर्धयकपिष्वादिष्वाकमनसाश्मननयकृदिवीदित
पादसर्वसिद्धिमाकृष्टसद ॥ ६०६ ॥ प्रागवर्द्धकान ॥ विष्वाकृष्टकमुखन
कवर्द्धमकृष्टकभीदिगविना ॥ ६०७ ॥ कनाकृष्टकनाकृष्टकनाकृष्टक ॥
वकृकनाकृष्टकहिनकननिश्हागरुवधसूक्ष्मरुगा ॥ ॥ सूर्यमभुसमायुक्ता
दवमुनक्तिवकृमभुगविरुषिता ॥ ॥ सगुवुववर्द्धणीत्यगुवनिशाव
कवानाहिकृष्टपायभनध ॥ ६०८ ॥ प्रागवर्द्धकान ॥ विष्वाकृष्टकमुखन

विदस्य

काश्वरिहिरुदामकासतसिता ॥ ५ ॥ धानइक्षामरुचनिसीतनिगा ॥ अख
यनिनऊरेनगाकससिता ॥ ॥ दिनकत्रमधुसमधगता ॥ कत्रमृकत्रसका
सससिता ॥ ॥ दग्धासिरुवयतिनिहता ॥ देवासुननननिहस्यनिमिता ॥
॥ गावकियवनरुचिगुनरुका ॥ वज्रवानाहि ॥ इतिहिस्यनिमिता ॥ ॥
नागागन्धारवि ॥ विदस्यपद्मगुम्फमधुसमहासखकनया ॥ देवीवज्रविनाशि
नीलखरानयक ॥ ५ ॥ यिवयिनमहानसगा ॥ रुदहन ॥ स्वर्गमाक्रमार्गः

अवनिभि

सत्कडधानधी ॥ ॥ वज्रवानाहि ॥ अखरुचननगगा ॥ ॥ विदुवनदेवासुननननदे
वी ॥ ॥ पूजापुष्पगुम्फातिथक ॥ अनुरुचक्रिया ॥ सत्वननविहिरुचक्रिया
समुचय ॥ ॥ गुनपुष्पादनइर्गनेतिनाभर्न ॥ रुचियिस्तदृष्ट ॥ आवनिका
॥ ॥ ॥ नागाकामा ॥ ॥ अवनिनिहितवामजानुख ॥ किकिनरुचमासस
नासा ॥ नागदधमाहवन्धिवयाभा ॥ विरुवननाया ॥ अवेलाविना ॥ ॥ ॥ न
मामिथी ॥ वधुमहाना ॥ यगाजातमृष्ट ॥ रुचयिदिता ॥ विध्वना ॥ विध्वनापिण

अवनिनि

वीनविक्रममहाकाठनाया ॥ ॥ अतिरीषनाग उर्ध्ववध्वा द्वाकलाः
यावियुक्तिकिनद्या ॥ ॥ शयीदिन अधनाककननयनावेनिसंयासा नाखरुसम
द्या ॥ ॥ माधवमाया पुनरिद्वक्त्रा नुदपिभाचादियादिवरुनद्या ॥ ॥ समन
समायानागविभाहाहाननायासमाहिकदहा ॥ ॥ नलारुनद्या यकानिग
मोत्रिकयुनना पुननूनगुर्णकाना ॥ ॥ सुननननाथवीदिनवनध्या नायसून
ध्वनश्वनविना ॥ ॥ ॥ नागखककाल ॥ ॥ अवननिनिहिकजाननीनसम

अवनिनि

दहाशककनगिनयनारिषमवदना ॥ ॥ ॥ तनाकतनाक ॥ ॥ अतश्वस
काठनाया ॥ ॥ निविदिनयनडीकि ॥ ॥ अरिगमरग ॥ ॥ शपाथखक धानिजिउ
वननाथ ॥ ॥ हनिहमवक्त्रा ॥ ॥ उचउमासा ॥ ॥ मालविप्रशक्ति ॥ ॥ कृतयहन
द्या ॥ ॥ विविधिरुनलनासिर्नरुदहा ॥ ॥ रुगगवीकि ॥ ॥ वनरुलदायक
॥ ॥ ॥ नागवसक ॥ ॥ अतमिकसमयुनि ॥ ॥ दह्यराखना ॥ ॥ विविधिनल
मचिमकठविरुषिता ॥ ॥ ॥ नावयिनधी ॥ ॥ अचतवीना ॥ ॥ नावयिआन

धुनिनाया ॥ ॐ ॥ परसथीहनुर्विमानुकावायासुरगनाथयोसम्बनवा
 या ॥ ॐ ॥ कजकनाटकहाथधनियोकाष्टकिपाउखद्याली ॥ २ ॥ पुतयागि
 नीकमलविहाष्टगनमहासखमनियसाद ॥ ॥ कजवानाहिआसिगघ
 सम्बननावयिवरविहनुर्गवाचसिकाविनेयाकीठकिहनुवजुद्ध
 वरुलधससीयाग ॥ ॥ सहजसंरुनेयागावकिकर्षुयासथीहनुव
 वनधयसाद ॥ यहासिगमकीठकिहनुवविनासायिहृन्कधा ॥ ॐ ॥

नामगुणनि ॥ जयश्वाकसि सयलसुरास्कावि ॥ १ ॥ खयइखयराहननुव
 ॥ ॐ ॥ नूर्धामूर्धजुनहा ॥ २ ॥ रूकैकावननावियमाननिनवानुव
 जिमयनयानदहपुनका ॥ २ ॥ दिनजननीनुवकरुयागिनी ॥ ॥ जयश्वाक
 रुनधसुरा ॥ २ ॥ कर्वाटकयानखद्यार्गधन ॥ ॥ जयश्वाक
 नश्रीव्यनुदननवधिलमाना ॥ ॥ जयश्वाखइजगहससा ॥ २ ॥ यधमा
 मिजुदयवाकसि ॥ ॐ ॥ ॥ नामलनवि ॥ गजुजिनउद्धनहाथधलिया

[illegible]

वीनेस्वनायकशिनिवकमहाविनेवीनाश्कबुद्धाष्टगत्रविनीविनव्वनड
 कायिसयावससावशुधवा ॥ ॐ ॥ नागसलिलगुच्छलि ॥ उन्नगरवधथी
 निरुतनुल्लसताश्चुनीसयुक्तिरिगलक ॥ ॐ ॥ उगदनूकैपक्षयागुध
 दवीश्चक्षुमासविप्रविनासनीदवी ॥ ॐ ॥ वक्रनयनशिनिमुक्षुमासाश्च
 ऊकवर्तिकपावनीलात्यमा ॥ ॐ ॥ व्याघ्रवर्मबभ्रुयस्यासीछाश्चर्वसम्पाद
 नसर्वाकाका ॥ ॐ ॥ वननसबधथी उन्नतावनीमासाश्चनयिज्जमाघव



ॐ

॥ नागमिह ॥ सुखयानि न ऊह न अक्षय अ न
यथापि ता २ शु न्य ता वि सा म क ना य ला वि या द
वी पा भ वि द्रु स ग ज्ञा दि ता ॥ ॐ ॥ न मा मि नि ता नै रु वा नि ल क ल स
रा व रु द्र रु व भो र्मा दि ता २ स न द च द्र स स क ॥ अ का सि द्रु स रु व
उ स भ या पि ता ॥ ॥ स्व र्ग ग या ग स म सा नि न रु क वी ह भ नु ग ॥
रु स म क नि ता नि मा ल द द या म व क थ पि ता ॥ अ नि सि क रु क ॥

वैष्णव

म ह सा वि ना ॥ ॥ आ न द य न मा न ई वि न मा स रु क व रु ना न द रु र्मा
रु वा २ य न ना वि न मा ज्य न रु दि न म हा शु ह स ग रु र्मा वि न या पि
ता ॥ ॥ ह व रु का ल व रु थी व रु र्मा वि न म न के क ति र्मा स का पा न ग ना
२ थी रु क ज्ञा दि या न पु रु शि नि ज्ञा नै व न प रु म हा स रु ख ज्ञा न रु ॥ ॥
ना ग मो न व ॥ व रु थी वि न ना वि न द्रा वि न र्मा २ शि धि नि र्मा धि नि रु
मु क उ ना कि नि ॥ ॐ ॥ न मा मि थी या ग म्ब व रु न भ व नी या २ धि ॥

विष्णु

पादधामनिवामविन्दुधना ॥ घस्रनिबोनिथागिनीदवीश्रमवकिनी
सावजस्तकोनसंजाता ॥ ३३३ ॥ नागसहित ॥ विषयविषयविन
यवनसंयागज्जालयिवन्दायनिनालिकमसंश्रुयिज्जिनविस्व
भिजनयिसुनतवृद्धिनिआरासमयस्यामसयसं ॥ ३४ ॥ नमसं
श्रेयासकासेनवृद्धिबजसमवनिविष्णुनृपयिपइमसंयागसंरव
निष्कयसंरुज्जाननमयहाननृप ॥ ॥ कज्यस्यंकीशमसंमनूषी

विष्णु

तनुनामसंगिनिश्रुक्तल्लभनंश्रुगताइएवनाशनवाधिरुसदायक
यागधर्ममानुषावाहय ॥ ॥ गुनुवाकट्टुधनियाश्रुयिवनकीवि
यमधिमश्रुचन्दावयउकादिधनियाश्रुचन्दाकयाश्रुसंलीनयन
मध्वनस्यंरुममानुषानाहसवन ॥ ॥ सप्रमायागट्टसंरावय
निरावनावृद्धधर्मसंघसनकागमियंश्रुगुनुचननित्यधनिया
गवाकिसुनतवृद्धिज्जमंजुनममानुवृद्धधननी ॥ ३३३ ॥ नागनाथ

सकनऊगकगनू समनवीनाऽ अनुपमकनूकननितिसरवीचिखा ॥ ५३ ॥
 समन२कनूमयिताव२विविधविकल्पाविनासननूठ ॥ ॥ दवीवाग
 हीउममल्लितदहा२रुवरुयहनविष्मनविल्लिषा ॥ ॥ सकलविष्म
 हकिमकियमिगुगम२नकिपतिस्वर्गनिर्वासननूठ ॥ ॥ हावालाव
 कतहकिमकितिल्लाऽ अनुपमसुनसमनसखविखा ॥ ५३ ॥
 नागलाट ॥ कवननूपलाकध्वनकवननूधनूठऽ अखयनिर्वाजन

सयात्रविष्म ॥ ५३ ॥ नाबयि अवधुवकानकमान२खदगिठऽ
 मनुगीवननगिनमाला ॥ ॥ अकुलसोनिर्वाजन२अकुलसोविह
 नाऽ अनुकनवनगतिमयात्रविष्म ॥ ॥ ककुवाभरुवककड
 वालनीलाऽ अवधुवकानगतिमहसुनडा ॥ ॥ रुतद२हमहम
 नसुनडाऽ अगिनिरुवननाथप्रसमनलाया ॥ ५४ ॥ नागविष्म
 स ॥ द्विउऊयकमुखनकवरनाऽ नगनमकूठकगिणिनिमाचना ॥ ५४ ॥

नमादवीवृद्धाकिनीविष्णुजननीश्चिखवचव्यापितडिनहानदायः
नी॥ **॥**रहितकनकवर्णविनासिनीदग्धतिश्चामकनोठकचकुमोत्र
सोपवयि॥ **॥**ननुमिमथुसमाप्यशुभियाभगमल्लो३नकेनोपुः
नवनसुगमपुवसिता॥ **॥**श्रीविशोधनीद्वीसुवननमसहिता
सकलमिद्विशिद्धिदहिममाता॥ **ॐ** **॥**मगमेवनि॥ **ॐ** न्यः
निनञ्जतपनमप्रकुशुन्यमायसहावुश्चावहचियसहावजना

श्री
म
३

नासिमयिजाव॥ **॥**नउरुवनउनिर्वाचतहिप्रहसा महासह
वर्ज्यशारावयिमनरावतहिसायप्रसाहयिकर्ज॥ **॥**शुष्कन
मकुविवर्ज्यानासाविदुननिरुश्चप्रहसापनमहासह नारुदिना
चिरु॥ **॥**जिमयत्रिविंशसोर्वरुहावजतिमिरावयिमनरावश्च
न्यनिनञ्जनयप्रमपरु नारुश्चपुननयादी॥ **॥**जिमरुसमाप्य
वदसहिनास्वकनमिकुश्चिमिसामथुलचक्रनयनसहावस

ॐ नमः

ॐ नमः

ॐ ॥ वागनामकनि ॥ हं हं हं हं वृत्तानामकन ॥ २ ॥ दशलिङ्ग
 मथागधनु ॥ ॐ ॥ हं वृत्तानामकन ॥ २ ॥ हं नो हं ॥ २ ॥ हं नो हं हं हं
 ॥ ॥ सुनननवीदिकवनधधनु ॥ २ ॥ सुसमविनयनदहधनु ॥ ॥
 लावविमकूटावेषगणगाययि ॥ २ ॥ नमहं ॥ २ ॥ हं वृत्तानामकन ॥ २ ॥
 ययि ॥ ॐ ॥ वागवसं ॥ ॥ जिनवनधनाने ॥ २ ॥ पलास्वननमन ॥ २ ॥ वि
 नासयिसमनसदंदा ॥ २ ॥ अलिङ्गध ॥ ॥ ॐ ॥ निर्वसहस्रनमसी ॥ ॥

पनमनसा

नसयि ॥ २ ॥ गच्छालिङ्गध ॥ २ ॥ आनंदमयन ॥ ॥ वाययिसंरागसयन ॥ ॥
 मयन ॥ २ ॥ वागविनाशयेमाप्तिनिष ॥ ॥ ॐ ॥ वृत्तानामकन ॥ २ ॥
 विमुखना ॥ २ ॥ सुनननयमुखी ॥ २ ॥ दशलिङ्गध ॥ ॥ ॥ दहदिहृदवन ॥ ॥
 धीयोगम्वना ॥ २ ॥ एवमांमहान ॥ २ ॥ धनी ॥ २ ॥ अलिङ्गध ॥ ॥ ॐ ॥ ॥ नाग
 विरात ॥ ॥ यनमनगा ॥ २ ॥ नचरावनरावक ॥ २ ॥ नेवविग्रह ॥ २ ॥ नचअहका
 अहका ॥ ॐ ॥ ॥ मां सनेमानिक ॥ २ ॥ नचविष्ठा ॥ २ ॥ नचघन ॥ २ ॥ माहनसा

नृदमालकादशसहस्रानन्दवाक्कविद्विनाचयि ॥ **ॐ** ॥ चका
लिंगधितुवनमसंशुक्तप्रकासि ॥ समयवीवृत्तमसंशुक्तप्रका
लिया ॥ ॥ **ॐ** वाक्कसिद्धी नानावृत्त ॥ प्रकयादनामगयनन
यिया ॥ ॥ **ॐ** वाक्कसिद्धी जगत्तुधनन ॥ नानरुतानशीहृन्
वनाया ॥ ॥ पादुतेनकडरुयसंवनन ॥ प्रसवनाचनशीवज
यागिनीनाचयि ॥ **ॐ** ॥ **नागनाम** ॥ विदलकमनवकुक्कुम्भ

सयनमधुकनरुवलीना ॥ शीविनूपाकृत्तुखगमुखदवीमदन
पातययायिना ॥ **ॐ** ॥ नमामिथीनेनात्मादवीधितुवनमाकाव
कलादवीशीमृगकृत्ति ॥ समयनसुवासनवदितवन्ध ॥ अनगज
धिसिद्धिवनप्रसादा ॥ ॥ नदनवनमिवचन्दनकनूव ॥ अनगजसु
पानिजातवन ॥ निरुगर्भवाग्मिनीतीर्थसूत्रकृत्तुवदन ॥ **ॐ** ॥ **अक्षर**
नव ॥ अक्षयागिनीदवी ॥ अनगसूत्रकृत्तुपाव ॥ अक्षमहारयद्विगत

श्रीकुरु

निनवानुनी शुभगाविश्रानिवात्रुधि ॥ ॥ विष्णुवियापित तावुनी द
वी शुषयनिनउरुनऊाठिमय २ अरिम कुसुखरुसदायनी देवी ऊ
मऊमउरुयायसनमा ॥ ॥ ॥ नागखड्गकान ॥ श्रीविऊरुसुवदक
वउरुहाद्याणीभनरुधधनाश्वामरुऊखलनखद्यागादहिनकनीति
धानि ॥ ॥ नमामिष्टीनेनात्मादेवी २ मानरुयरुयहनधी ॥ ॥ वउ
विंशतिपिथध्वानुपीप्रकवदननिनरुधधन २ यककमुद्रारुषित

भोग्य

श्रीगणिवननमिगमुद्रमाता ॥ ॥ लंदवदविश्रमिषुलमाप्पसुन
ननवदिहवयमा २ देवीयागिनीप्रकरावानमामिष्टीयद्रगुधध्वान
॥ ॥ श्रीवऊदेवीयसादनदानयातिप्रमनाहर्ष २ सतगुववननमि
त्यगकरुनीयनलवऊगीतवनिता ॥ ॥ ॥ नागकासाठ ॥ मृगा
लुधगायनितीरुहंतीवूधगिमूडीकिरुगुवधु २ श्रीवूधउकगभिम
लुसलुनकाप्रसुतापेनमामिष्टीन ॥ ॥ अरुधसूर्यापनितीरु

तं नृणां किं मुद्रां किं पीतवर्णं २ श्री नृलोककनविमलसुन्दरं नृकावसंज्ञा
 तपधमाभिषाकं ॥ मयुवमुद्रायानिर्सीद्धिर्नृपमाकिमुद्रां किं नृक
 वर्णं २ श्री यमलोककनविमलसुन्दरं यंकावसंज्ञाकपधमाभिषाकं ॥
 खगलोककायनिर्सीद्धिर्नृकपावसंज्ञाकपावसंज्ञाकपावसंज्ञाकपावसंज्ञा
 कनविमलसुन्दरं नृकावसंज्ञाकपावसंज्ञाकपावसंज्ञाकपावसंज्ञा ॥ वक्रविक्रय
 निर्सीद्धिर्नृकपावसंज्ञाकपावसंज्ञाकपावसंज्ञाकपावसंज्ञा ॥

सुन्दरं नृकावसंज्ञाकपावसंज्ञाकपावसंज्ञाकपावसंज्ञा ॥ २०६ ॥ नागलोककायनिर्सीद्धिर्नृकपावसंज्ञाकपावसंज्ञाकपावसंज्ञाकपावसंज्ञा
 धानिधमाभिषाकं ॥ मयुवमुद्रायानिर्सीद्धिर्नृपमाकिमुद्रां किं नृक
 वर्णं २ श्री यमलोककनविमलसुन्दरं यंकावसंज्ञाकपावसंज्ञाकपावसंज्ञाकपावसंज्ञा
 कनविमलसुन्दरं नृकावसंज्ञाकपावसंज्ञाकपावसंज्ञाकपावसंज्ञा ॥ वक्रविक्रय
 निर्सीद्धिर्नृकपावसंज्ञाकपावसंज्ञाकपावसंज्ञाकपावसंज्ञा ॥

श्रीमद्

करुणाकनुधामय ॥ ॥ कवटिकापासधामिदं खडागनागवनयना
गकुलसहासो ॥ नागासि वसिष्ठा नोयुवनागाश्रुना आरुवदसं
सा ॥ ॥ जिनवत्र मोन धानिन मेता वृद्ध सा धन सा त्रक कवीना श्रुता
वृद्धातास्तु वरावासा धन कालिष्ठा श्रुत रुवना न दाम ॥ ॥ नागक
कुदि ॥ श्रीमद्देनाथगुन महावीन विजया ॥ चन्द्रहास खड्गधनागवा
ससन् ॥ ॥ नमामि ॥ श्रीमद्देनाथगुन महावीन विजया ॥ चन्द्रहास खड्गधनागवा
ससन् ॥ ॥

विष्णुसना
महिमामय

वनवायिना ॥ ॥ युक्तकधनशुभ पवनमगुन नाया ॥ श्रीधर्मधनुखा
ननेयासमस्तु सल्लेखा ॥ ॥ जगत्तनाथ जगत्तगुन निनेऊना ॥ सर्व
धामुवि सा नयलिता निनेऊना ॥ ॥ नागककुदि ॥ विष्णुसना
हृदिनकनमस्तु सा ॥ शङ्का व सैरवद कुरुवधुदहा ॥ ॥ नमामि ॥ श्री
हनुडनाया ॥ शवड्डा गिन्यासिंगधना वीय ॥ ॥ विमुख वट्टुड्डु
ला नुनयिने वा ॥ शविष्णु कलिष्ठा ॥ इन्द्रा मकूट धामि ॥ ॥ यथमस्तु

मधुनिग

ऊद्ययश्रुतिभयम् ॥ २ ॥ दिति यदुज्जहन्ति वभारुमिय ॥ ॥ ययदुज्जहन्ति
 नुखदगिकया ला ॥ २ ॥ यदुमुद्रामुद्रमा ला विरुषिता ॥ ॥ आसिका लि
 इयि आली रुवा ययि ॥ २ ॥ यममा मिच नरु ॥ इका वव रुगी ना ॥ ॥ ॥
 नाग सह रु वरु ॥ ॥ मधु वि यु लि पू ना इय निरु ना ला ॥ २ ॥ सक नरु वग वरु
 तवरु ॥ ॥ ॥ मेरी आदि वरु री मेरु रु मा ला ॥ २ ॥ अरु वरु ति यम नुख
 रु ना ॥ ॥ ॥ मरु वि ना स न वि न विष मा ॥ २ ॥ नाग री न क नरु विहा

नमामिहि

[illegible]

महाकाव्य
श्रीनिवासाय

मां माह मानदयनिकादि न माया माह ॥ ५५ ॥ परं सा न असा न २ नागद्वय
माह ॥ ५६ ॥ नि न असा ॥ ५७ ॥ अनीमिव नयन नृचक नृदोहिया २ इमय
निचिक इदं पुन्यं ॥ ५८ ॥ सहस्रं सा वरुण इदं नागकधनिया २ यसाय नम
स वास न नृव ॥ ५९ ॥ अ नृव उदय नृद याय यसा २ गविकि निक्षिपया सह
वक्रता निवो ॥ ६० ॥ ॥ नागका माह ॥ अकिनी त्वं वरुण कानवीर इदं यदुज्ज
यक मखं २ यिनी नृच उदय कर्ण इदं साक सातं काठवीर ॥ ६१ ॥ नमामि श्रीः

महाकाव्यं माला नृच य ह नृव ॥ ६२ ॥ दाह नृच कनाठन अखिल मयः
निपुण दनं २ वाम नृच मय खदो गवक्र कया ल नृच पुन्यं ॥ ६३ ॥ उदय कालिका
स वा नृच अकिनी धना नृच दन नृच २ नृच निन मातो गी यल्लोका व्याघ्र
नृच कठि रूषिका ॥ ६४ ॥ हाजर नृच अष्टम नृच महाकाव्य सदा यध मय
हानयति नृच मनाह वरुण सिद्धि सिद्धि रूषि ॥ ६५ ॥ ॥ नाग नृच याद पण्डन
धीवज्जदवी निधना २ गविकि कृतदरु अनायिणी नृच वरुण नृच ॥ ६६ ॥

अनवगत

॥ ॐ ॥ नागनामकवि ॥ जिनवनननयानिरुवनथीकापाठननिर्वसितनि
मेलमदिनाशनयासमष्टलमाग्यगणिहृत्किन्ननऊगनमष्टलमाग्यः
मनिना ॥ ५ ॥ विष्णुगतिगार्ह्याभञ्जवतानयावद्वयधमागिब्रूम
ससाकध्वनद्वयसिद्धायागिर्वधुदरुणविक्रमनायाउवैयकिब्रूममनि
ननयद्वय ॥ ६ ॥ नागिकमनदिमुषकाशिकवाधियानवामकमलः
हाथउमसमनननागकृष्णकदाभिडइखरुयहनना ॥ ७ ॥ ॐ ॥

卷之四

वतिकाया हगवति तमामिथी प्रगमल साकं वनदर्वं २ नमामि श्री ननद
इव स्वर्गमथ पाता नदर्वं ॥ दधरुमिधार्थि धरुल कधधनियारुग
तनाथ अरुयदाह २ श्री अमिहारु वधिसंगरुधनियां श्री ताकस्व
सन्मार्गमिय ॥ ३३३ ॥ नमो नवि ॥ वधुगुग्मग नधी लसं वक्रा
वासकिनागा गार्जि कभया २ गद लठमग न अ वक वक्रा धुलि कभया
ककनागा ॥ ३४ ॥ वृन्द ऊम ऊलय ऊरु वक्रि वायु राक्र सदिगवि

दिग्विसेदवनीत्र २ अष्टममभनकुर्विसेवीमभन नावियस हजानदं
 ॥ कंकलिषाला वलिंममया कालासु ककटिक नागम २ कर्कशः
 नवा वलिंममया सनसि रुनागम वुतक वृका ॥ अष्टममभन भखया ल
 नागम यवधुममया वलिंममहा २ लकीवनरुता सा कर्कश वृका धुलि
 ममया महा यमनागम ॥ धा नममभन ककटिक वृका अतक नागम पुनन
 मया किलिकिलिलावा अरुन वृका कलिक नागम वर्षनममया ॥ धा

धूमिगमिन

दधकुजादादधकुवना चडवक्तवदना दधनयना २ रुनयिकलुया ल
 नाखइ सनना कालिनाधिनिग्रवाययिवदना ॥ २२२ ॥ नागमविनि ॥
 धूमिगमिन चडुकलानि २ ली यमयिगलकभावयन ॥ २२३ ॥ कुंशियया
 नहुंहुंहुं कलकलक २ नाना विहाननो दमहा वलियुजा ॥ २२४ ॥ समया
 नककुयागम चवदवा २ वाहुलिवाहुल चडमुखनयना ॥ २२५ ॥ भीतकल
 ककुजावलिलोहा २ युष्टिकलकमहा वलियुजा ॥ २२६ ॥ नोदकलकपि

अथर्व

हवनगयने २ मयमान्ममर्जुनूधिराहान ॥ ६०६ ॥ नागसहाल ॥ यक
 वदनवलमकूटशालंशना २ वदुर्दुर्जनकृपुकस नवनूधानि ॥ ६०७ ॥
 नमामिमर्शुणीयननृष्यवा २ मयलशाला यनिरुद्रकडधानिना ॥
 ॥ ६०८ ॥ दहिनशीगनयनिवाभशी महाकावा २ मगधमधुस सामाय
 कलिकुलिगा ॥ ॥ ६०९ ॥ शिखिसंहननाया विष्वविगापिना २ शुद्धरयवे
 रयाधिर्ननहवध ॥ ॥ ६१० ॥ वज्रधनपसादिनेदा सरुनयिया २ गुन

新刊

वनधामानुसिद्धिवनयगादा ॥ १७५ ॥ वागवनावलि ॥ लम्बकसुखा
दवर्णिनिनाचनाशकधिसाराकनार्तिपुनरुषिता ॥ ५५ ॥ गनाहं हं हं
गनाहं हं हं ॥ ॥ घाघननोपुनहाथयनमुधवाशुहमुखशुक्रमय
धना ॥ ॥ इरुनिरुतनिमाहनिशकर्वनिशुद्रिज्जकलेदिकनका
॥ ॥ स्वर्गमल्लयागानुविशुवनगनयतिशुक्रियात्रेसर्वकार्यसिद्धि
॥ ॥ केशवर्ण ॥ सिद्धिसिद्धिवनसंपुष्पुज्यविश्वध्वनशुक्रिदुवनवा

प्रह्वन

पितृनामना ॥ ६६ ॥ नागगन्धर्ववि ॥ विरुवनकलितमन्त्रि
अनुतायनविनयवर्हि ॥ ६७ ॥ नावयिवरुसत्त्वयनमन्त्रविनय
वर्हि ॥ ॥ नागिसहस्रकिनयदशसर्गसाहसुवर्हि ॥ ॥ वरुविहनुय
नविधमिअनुनायनसत्त्ववर्हि ॥ ६८ ॥ नागगन्धर्वमन्त्रविहनादि
दशसर्गमीसर्गद्विंशतममन्त्रसत्त्ववर्हि ॥ ॥ कलियन २ द्वादशैकचउवदन
सूक्ष्माहासुवनाहिकारेशासिगिगा ॥ ६९ ॥ कलियन २ द्वादशैकचउवदन

॥ माससयलसर्वाधियांन २ द्वादशैकचउवदन ॥ ॥ कलियन २ द्वादशैकचउवदन
नवीसर्वनाया ॥ ॥ कलियन २ द्वादशैकचउवदन ॥ ॥ कलियन २ द्वादशैकचउवदन
सूक्ष्माहासुवनाहिकारेशासिगिगा ॥ ७० ॥ कलियन २ द्वादशैकचउवदन
॥ ॥ यैवजिनवनमकुटशासिगिगा ॥ ७१ ॥ कलियन २ द्वादशैकचउवदन
सिकासिगिगा ॥ ७२ ॥ कलियन २ द्वादशैकचउवदन ॥ ॥ कलियन २ द्वादशैकचउवदन
ननगिलमातालम्बश्रीसम्बन्धिवचनश्रुतिनकनूगहिया २ द्वादशैकचउवदन

